रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) ललितपुर-खुजराहो-सतना, खुजराहो-महोबा और रीवा-सीधी-सिंगरौली नयी बड़ी लाइन का सर्वेक्षण कार्य 33.00 लाख रूपये की लागत पर 1989-90 में अनुमोदित किया गया था।

(ख) जी नहीं, आशा है कि सर्वेक्षण 1992-93 में पूरा हो जाएगा। सर्वेक्षण के परिणामों और आने वाले वर्षों में संसाधनों की उपलब्धता पर परियोजना की स्वीकृति निर्भर करेगी।

सतना-रीवा-बघवार-ब्यौहारी रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण

2200. **श्री कैलाश नारायण सारंग:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सतना-रीवा-बघवार-ब्यौहारी रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण कराया था, और इसकी अनुमानित लागत कितनी थी;

(ख) क्या सरकार ने उक्त रेलवे लाइन को स्वीकृति दे दी है; यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में इस वर्ष के बजट में क्या प्रावधान किया है और निर्माण कार्य में कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) उक्त रेल लाइन के सतना-रीवा भाग के निर्माण कार्य के कब पूरा हो जाने की संभावना है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) सर्वेक्षण 1989-90 में पूरा किया गया था। 1989-90 के मूल्य स्तर के आधार पर नयी लाइन की लागत 101.6 करोड़ रूपये थी।

(ख) इसमें से, सतना से रीवा तक नयी रेल लाइन का निर्माण कार्य स्वीकृत कर दिया गया है। इस निर्माण कार्य के लिए 1992-93 के बजट में प्रस्तावित प्रावधान 6.9 करोड़ रूपये का है।

(ग) 1992-93 के दौरान।

Superfast train between Guwahati and Calcutta

2201. SHRI DAVID LEDGER: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to introduce Rajdhani type Superfast train between Guwahati and Calcutta;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Operational and resource constraints.

Conversion of Metre Gauge

2202. SHRI DAVID LEDGER: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the conversion of MG line into BG in Guwahati-Lumding section has been approved;

(b) if so, whether the project is being included in the Eighth Five YeaiPlan;-and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) and, (b) Yes, Sir,

(c) Does not arise.

Conversion of railway lines in Marathwada

2203. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in a memorandum submitted to Government the Marathwada Janta Vikas parishad have urged the Government for conversion of Manmad-Madkhed-Adilabad line, Latur-Miraj narrpw gauge into broad gauge and laying of new railway line between Ahmednagar-Beed-Parli for the overall development of the region; and

(b) if so, whether Government propose to include the conversion of lines in the Eighth Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Yes, Sir,

(b) Conversion of Maninad-Aurangabad has been completed. Work on Aurangabad-Mudkhed-Adilabad is

expected to be completed during the 8th Plan. Updating of survey for Latur-Miraj has been included in Budget Proposals for 92-93. There is no proposal for construction of new line Ahmednagar-Bir-parli at present.

देश में बड़ी लाइनें और मीटर लाइनें

2204. **डा॰ अबरार अहमद:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1947 से पूर्व देश में बड़ी लाइन और मीटर रेलवे लाइन की कुल लम्बाई कितने किलोमीटर तक विद्युतीकरण पहले ही किया जा चुका है और बकाया रेल लाइनों के विद्युतीकरण के लिए क्या योजनाएं हैं;

(ख) रेलवे लाइनों की कुल लम्बाई में से कुल कितने किलोमीटर तक विद्युतीकरण पहले ही किया जा चुका है और बकाया रेल लाइनों के विद्युतीकरण के लिए क्या योजनायें हैं;

(ग) राजस्थान में बड़ी लाइन और मीटर लाइन की लम्बाई कितनी है जिसका पहले ही विद्युतीकरण हो चुका है और शेष लाइनों के विद्युतीकरण के संबंध में क्या योजनाये है; और

(घ) जयपुर के कब तक बड़ी लाइन से जोड़ दिए जाने की संभावना है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) मार्ग कि॰ मी॰ के आकड़ों का ब्यौरा वित्त वर्ष के अन्त (31 मार्च) के आधार पर रखा जाना है। मार्च, 1948 तथा 31 मार्च, 1991 को यातायात के लिए खोली गयी ब॰ला॰/मी॰ला॰ की लुम्बाई इस प्रकार थी:—

	31.3.1948 को	31.3.1991 को
बड़ी लाइन	25,170	34,880
मीटर लाइन	24,153	23,419

(ख) 31.3.1991 को कुल 62,367 मार्ग कि॰ मी॰ लम्बाई (छोटी लाइन सहित) में से 10,083 कि॰ मी॰ रेलवे लाइन विद्युतीकृत है और इसमें से 9,968 कि॰ मी॰ यातायात के लिए खोला जा चुका है। इस समय (1991-92) लगभग 2800 मार्ग कि॰ मी॰ पर विद्युतीकरण का कार्य चल रहा है। रेलवे के 1992-93 के बजट प्रस्तावों में और 1961 मार्ग कि॰ मी॰ के विद्युतीकरण को शामिल किया गया है।

(ग) 31.3.1991 को राजस्थान में बड़ी लाइन तथा मीटर लाइन की कुल मार्ग कि॰ मी॰ लम्बाई तथा विद्युतीकृत मार्ग की लम्बाई इस प्रकार थी:—

	कुल	विद्युतीकृत
बड़ी लाइन	1,235	491
मीटर लाइन	4,506	—

राजस्थान में पड़ने वाले शेष खण्डों में से किसी भी खण्ड को विद्युतीकृत करने की फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ) मार्च, 1993 तक सवाई माधोपुर छोर से।

Parallel Broad Gauge Line From Dindigul to Madurai

2205. SHRI PASUMPON THA KIRUTTTNAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) by when the parallel Broad gauge line from Dindigul to Madurai is likely to be commissioned:

(b) whether there is any proposal to connect Madurai with Delhi by a Rajdhani Express via Bangalore;

(c) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor;

(d) whether Govt, have taken any final decision to construct a parallel Broad gauge line between Madurai and Maniyachi; and

(e) if so. the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) During 92-93.

(b) No, Sir.

(c) Operational and resource constraints.

(d) and (e) In view of the inclusion of Madras-Tiruchchirappalli (via Chord)-Dindigul in the action plan for gauge conversion, it has been decided that the MG line Madurai-Maniyachchi should be converted into BG as per the original approved plan.

Railway Colony Located at the Outskirts of Bhopal City

2206. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a railway colony of about 700 quarters at the Outskirts of Bhopal city in Madhya Pradesh inhabited by employees of Rail Coach Repair Factory, Bhopal;

(b) whether it is also a fact that there is no civil and Electrical Wing of the railways for the maintenance of buildings and electric fittings in the colony;

(c) if so, what are the reasons therefor; and

(d) by when Government propose to provide civil and electric wings in the colony for its maintenance?